दैनिक
प्रातः कालीन
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करें-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

वर्ष :- 03 अंक :- 116 मुरादाबाद, 14 August 2023 (Monday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने प्रोफाइल पिक्चर पर लगाई तिरंगे की तस्वीर, सभी से की यह अपील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की प्रोफाइल पिक्चर बदल कर राष्ट्र ध्वज %तिरंगे% की तस्वीर लगा दी है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की प्रोफाइल पिक्चर बदल कर राष्ट्र ध्वज तिरंगे की तस्वीर लगा दी है। उन्होंने देश के लोगों से भी तिरंगा महोत्सव मनाने के लिए एक आंदोलन के रूप में ऐसा ही करने की अपील की है। पीएम मोदी ने रविवार को हर घर तिरंगा अभियान का हिस्सा बनने की अपील की। कहा कि आइए हम अपने सोशल मीडिया अकाउंट की प्रोफाइल बदलें और इस अनूठे प्रयास को समर्थन दें। जो हमारे प्यारे देश और हमारे बीच के बंधन को गहरा करेगा।

गृहमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में हर घर तिरंगा अभियान को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान पीएम मोदी ने पूरे देश में देशभक्ति की भावना पैदा करने की कोशिश की। 15 अगस्त 2023 को आजादी का अमृत महोत्सव का समापन होगा। शाह ने कहा कि आजादी के 75 साल से लेकर 100 साल तक हम भारत को हर क्षेत्र में महान बनाने के लिए जिएंगे।

क्या है हर घर तिरंगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर 22 जुलाई को हर घर तिरंगा अभियान शुरू किया था।

भारतीय ध्वज एकता का प्रतीक

वहीं, पीएम ने लोगों से इस साल 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा आंदोलन में हिस्सा लेने का आग्रह किया। साथ ही कहा कि भारतीय ध्वज स्वतंत्रता और राष्ट्रीय एकता की भावना का प्रतीक है। उन्होंने भारतीयों से हर घर तिरंगा वेबसाइट https://harghartiranga.com पर अपनी तस्वीरें अपलोड करने का भी आग्रह किया।

हर घर तिरंगा बाइक रैली निकाली

इससे पहले शुक्रवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दिल्ली के प्रगति मैदान से हर घर तिरंगा बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, अनुराग ठाकुर और शोभा करंदलाजे भी मौजूद रहे।

15 तक मनेगा हर घर तिरंगा

बता दें, आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 13 से 15 अगस्त तक पूरे देश में हर घर तिरंगा मनाया जाएगा। इसमें लोगों को अपने-अपने घरों पर झंडे फहराने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अभियान की व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने और बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आज से सांसदों और मंत्रियों के साथ एक तिरंगा बाइक रैली आयोजित की जा रही है। यह बाइक रैली इंडिया गेट सर्किल पर पहुंचेगी। इसके बाद रैली इंडिया गेट परिसर से होते हुए मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में समाप्त होगी।

अखिलेश का योगी सरकार पर हमला, कहा- भाजपाई राजनीति के लिए बुलडोजर जरूरी, जनता के लिए एंबुलेंस नहीं

लखनऊ में राजभवन के सामने आज सड़क पर एक महिला ने बच्चे को जन्म दिया। जन्म के कुछ देर बाद इलाज न मिलने के चलते बच्चे की मौत हो गई। एंबुलेंस को कई बार कॉल की गई लेकिन एंबुलेंस नहीं पहुंची। इस मामले में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा जो भी जिम्मेदार है उसपर कार्रवाई की जाएगी। राजधानी में एंबुलेंस के 30 मिनट बाद भी न पहुंचने पर अस्पताल जा रही गर्भवती महिला के राज भवन के गेट नंबर 13 के सामने बच्चे को जन्म देने के मामले में समाजवादी पार्टी ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है। सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव व सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने प्रदेश की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था पर सरकार को घेरा। प्रमुख सचिव को इस मामले की जांच सौंपी गई है

घटना के बाद डिप्टी सीएम ने दिए जांच के आदेश

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक अपनी गाड़ी पर बैठा कर पीड़ित पिता को लेकर नवजात के भ्रूण के शव को दफन करवाने गए। बृजेश पाठक ने कहा कि पीड़ित की हर संभव मदद की जा रही है। वीरांगना झलकारी बाई महिला चिकित्सालय में महिला को भर्ती कराया गया है इलाज चल रहा है और महिला स्वस्थ है। उन्होंने कहा पूरे मामले में जो भी दोषी पाए जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

अखिलेश ने कहा बुलडोजर जरूरी एंबुलेंस नहीं

अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमलावर होते हुए प्रदेश की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था पर ट्वीट कर कहा कि एक तो उप्र की राजधानी लखनऊ, उस पर राजभवन के सामने फिर भी एंबुलेंस के न पहुंचने की वजह से एक गर्भवती महिला को सड़क पर शिशु को जन्म देना पड़ा। मुख्यमंत्री जी इस पर कुछ बोलना चाहेंगे या कहेंगे 'हमारी भाजपाई राजनीति के लिए बुलडोजर जरूरी है, जनता के लिए एंबुलेंस नहीं।'

शिवपाल यादव ने कहा- ये है सूबे की स्वास्थ्य व्यवस्था की असल हकीकत

शिवपाल यादव ने ट्वीट कर प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सूबे की स्वास्थ्य व्यवस्था अपने लाख विज्ञापनों व दावों के बावजूद वेंटिलेटर पर है। एम्बुलेंस न मिलने पर रिक्शे से अस्पताल जा रही गर्भवती महिला को राज भवन के पास सड़क पर प्रसव के लिए मजबूर होना पड़े तो यह पूरी व्यवस्था के लिए शर्मनाक व सूबे की स्वास्थ्य व्यवस्था की असल हकीकत है।

क्या है पूरा मामला

लखनऊ में राज भवन के गेट नंबर 13 के सामने आज दोपहर एक गर्भवती महिला ने बच्चे को जन्म दिया। पति जब तक महिला और बच्चे को लेकर हॉस्पिटल पहुंचा तबतक बच्चे की मौत हो गई।

बता दें कि पति गर्भवती महिला को रिक्शे पर लेकर अस्पताल जा रहा था। तभी महिला तबियत बिगड़ने पर बेसुध हो गई। रिक्शे उतर कर सड़क पर बैठाया और एंबुलेंस को काल की गई। महिला सड़क पर तड़प रही थी एंबुलेंस को सूचना दी गई लेकिन 30 मिनट के बाद भी कोई एंबुलेंस नहीं पहुंची। इस पर वहां मौजूद महिलाओं ने साड़ी का घेरा बनाया उसके बाद महिला ने बच्चें को जन्म दिया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही बच्चें ने दम तोड़ दिया। वहीं महिला झलकारी बाई अस्पताल में एडमिट है। जहां उसका इलाज चल रहा है।

'देश के लिए जीने से हमें कोई नहीं रोक सकता', शाह ने विपक्ष को बताया- 'पुरानी बोतल में पुरानी शराब'

गृहमंत्री ने कहा कि यूपीए और कांग्रेस ऐसे नेताओं का समूह है, जो 12 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार में शामिल हैं। अब उन्होंने अपना नाम बदल लिया है लेकिन आप उसे यूपीए कह सकते हैं...इन्हें वोट कौन देगा, जो 12 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार में शामिल हैं?केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोला। अमित शाह ने कहा कि %विपक्ष ऐसा है जैसे पुरानी बोतल में पुरानी शराब। गृहमंत्री ने कहा कि विपक्ष के नेता 12 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार में शामिल हैं। अमित शाह ने कहा कि विपक्षी कांग्रेस के शासन में देश की अर्थव्यवस्था दुनिया में 11वें स्थान पर थी लेकिन नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री रहते हमारी अर्थव्यवस्था पांचवें स्थान पर आ गई है।%

12 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोपी

बता दें कि अमित शाह रविवार को एनएसजी के क्षेत्रीय केंद्र का शिलान्यास करने गुजरात के गांधीनगर के मानसा पहुंचे थे। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए गृहमंत्री ने कहा कि यूपीए और कांग्रेस ऐसे नेताओं का समूह है, जो 12 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार में शामिल हैं। अब उन्होंने अपना नाम बदल लिया है लेकिन आप उसे यूपीए कह सकते हैं...इन्हें वोट कौन देगा, जो 12 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार में शामिल हैं?

हमें देश के लिए जीने से कोई नहीं रोक सकता

अमित शाह ने कहा कि आपने सुना होगा कि नई बोतल में पुरानी शराब लेकिन यहां बोतल भी पुरानी है और शराब भी पुरानी है। इनके बहकावे में मत आना। पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में वापसी करेगी। शाह ने कहा कि कई लोगों ने देश की आजादी की लड़ाई लड़ी और वह देश के लिए बलिदान हुए। हमें देश के लिए बलिदान देने की जरूरत नहीं है लेकिन कोई भी हमें देश के लिए जीने से नहीं रोक सकता।

बच्चों को सिखाएं देशभक्ति

शाह ने कहा कि हम लोग प्रण लें कि कम से कम पांच बच्चों को देशभक्ति की भावना से पालेंगे, जो अपना जीवन देश के लिए समर्पित करें, और इसकी शुरुआत अपने घर से करें। बच्चों को अपनी भाषा, साहित्य, संस्कृति, गांव, राज्य और देश के लिए जीना सीखाएं। शाह ने कहा कि वह किसी भाषा के खिलाफ नहीं है लेकिन यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम गुजराती भाषा को जिंदा रखें। अमित शाह ने कहा कि भारत ने हजारों सालों तक दुनिया को राह दिखाई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह ऐसा भारत बनाएं जो अर्थव्यवस्था, शिक्षा, अंतरिक्ष, सुरक्षा सभी क्षेत्रों में शीर्ष पर हो।

'हम कहते आदिवासी, दूसरा पक्ष कहता वनवासी', वायनाड में राहुल गांधी ने BJP पर साधा निशाना

राहुल गांधी ने कहा कि हमारे आदिवासी भाई-बहन इस देश के मूल मालिक थे और इसका तात्पर्य यह भी है कि इस देश के मूल मालिकों को जमीन, जंगल पर अधिकार दिया जाना चाहिए और जो वे चाहते हैं उन्हें करने की अनुमति दी जानी चाहिए।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड में रविवार को आदिवासियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आपको प्रतिबंधित और वर्गीकृत नहीं किया जाना चाहिए। पूरी दुनिया आपके लिए खुली होनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि हम कहते हैं आदिवासी और दूसरा पक्ष कहता है वनवासी और वनवासी शब्द के पीछे एक विकृत तर्क है।

प्रतिबंधित और वर्गीकृत नहीं करें

राहुल गांधी ने कहा कि हमारे आदिवासी भाई-बहन इस देश के मूल मालिक थे और इसका तात्पर्य यह भी है कि इस देश के मूल मालिकों को जमीन, जंगल पर अधिकार दिया जाना चाहिए और जो वे चाहते हैं उन्हें करने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि आपको प्रतिबंधित और वर्गीकृत नहीं किया जाना चाहिए। पूरा दुनिया आपके लिए खुली होनी चाहिए।

सरकार कहती वनवासी

उन्होंने कहा कि हम कहते हैं आदिवासी और दूसरा पक्ष कहता है वनवासी। वनवासी शब्द के पीछे एक विकृत तर्क है। वनवासी शब्द इस बात से इनकार करता है कि आप भारत के मूल मालिक हैं और यह आपको जंगल तक ही सीमित रखता है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि वनवासी शब्द के पीछे भावना यह है कि आप जंगल में हैं और आपको कभी जंगल नहीं छोड़ना चाहिए और यह हमें कतई स्वीकार्य नहीं है। हम इस शब्द को स्वीकार नहीं करते हैं।

शनिवार को पहुंचे राहुल

बता दें, कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड पहुंचे हैं। हाल ही में लोकसभा की सदस्यता बहाल होने के बाद कांग्रेस नेता का ये पहला वायनाड दौरा है। राहुल गांधी के दौरे को लेकर कांग्रेस की केरल यूनिट में उत्साह है।

सरनेम मामले में मिली थी सजा

गौरतलब है, मोदी सरनेम मामले में सुप्रीम कोर्ट से सजा पर रोक के बाद सोमवार को राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल कर दी गई थी, जिसके बाद एक बार फिर वह संसद पहुंचे थे। उन्होंने मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लिया था और मणिपुर पर केंद्र को घेरा था। मोदी सरनेम मामले में सूरत की सीजेएम कोर्ट ने इसी साल 23 मार्च को राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई थी, जिसके चलते उनकी संसद सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। करीब चार महीने से ज्यादा समय के बाद बीती 4 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने सजा पर रोक लगाने का आदेश दिया था।

संपादकीय Editorial

Political hoarding in parliament

This mistrust definitely exposed the language of the Parliament and the dignity of the House in front of the public. Which we used to make India famous by calling it the temple of democracy, whereas the no-confidence motion has somewhat lowered its level and summary. In the history of parliamentary debate, the government side can make a sound of hitting fours and sixes of cricket or congratulate the slogans which the Prime Minister himself kept calling. There have been so many moments of political hatred within the Parliament that if the country wants to drown in terms of character or morality, it can drown peacefully. Was it a national staging or a national churning, where the nation's woes sewed up its cover or the debate was looking for a Draupadi in the court. There used to be muggles, there were also bonds, but no one could be proved innocent. Till now Manipur was sobbing somewhere in Manipur, but the country saw it crying under the roof of democracy, so it was their fault as well. Who saw there that every voter's cheeks have turned red due to the price of tomatoes outside. Who noticed there that generations became unemployed due to the crime of studying in the country. We neither wanted to see nor hear that the words become shameless and the references shameless in the glory of our leadership. By the way, what election should be considered as the biggest context of the country and if it is so, then definitely the ruling party won there. There it became Munadi and hoarding of politics also kept showing us the scenes of elections in front of our eyes, amidst the tearing apart of democracy. We came to know that the biggest need of the country is elections and it has also been proved that now the government is the only election. Whenever the government speaks, the election speaks. After all, which election should be accepted as true. The one that increases the illusions of voters like us or teaches us to live in illusions. Let us become a spider for the Parliament or have abominable patience in the cobweb of parliamentary debate. What can we Indians do, here India is coming in someone's share and 'India' is seen troubled. The eyes with which we saw freedom, today even the country is not able to understand that even if we get rid of it in the election, from whom. Those who are here, will be there tomorrow, and those who will be there, there is an arrangement to be called holy. After all, till when will we see the dustbin of the past being used in the defense of the Parliament and when will we keep watching repeat telecast of the same speech and the same issue. The no-confidence motion became a round-the-clock and someone in the Parliament got busy shopping for one hundred and forty crore people of the country. There, neither the side nor the opposition, but the country's democratic traditions were being sold in the debate. The media also kept watching in this purchase whether its 'owner' won by buying a lot. If this victory is considered happy by the media, then the knees of this pillar of democracy have been broken and the spine has been bought by loyalty. After all, if the general public does not like the antitrust film of the Parliament, then they should consider this complaint as their fate, The country are not visible in the hope of getting better from it. Will the big questions and topics from the Parliament now come on the road and if this happens, then the opinion of the public will tell who has faith and who has disbelief.

Team India got another star in the form of Tilak

Like many players of Team India, Tilak Verma also comes from a very simple family. His full name is Namburi Thakur Tilak Verma. Nagaraju Verma, the father of this budding player from Hyderabad, is an electrician and mother is a homemaker. Suryakumar Yadav was the hero of the victory in the decisive third T20 match against the West Indies in Providence, but the player who is being talked about the most is Tilak Verma. Tilak Verma anchored India's victory, returning unbeaten on 49 with 13 balls to spare. If captain Hardik Pandya had not hit a six, Tilak Verma could have completed his second consecutive half-century. Tilak Verma, only 20 years and 10 months old, has left his mark in the international T20. He has been included in Team India in the current West Indies tour itself. His performance in all the three matches so far has been good. He is batting at a strike rate of 139. Tilak Verma has a long career ahead of him and going by his talent, it looks like he will cement his place in Team India. Like many players of Team India, Tilak Verma also comes from a very simple family. His full name is Namburi Thakur Tilak Verma. Nagaraju Verma, the father of this budding player from Hyderabad, is an electrician and mother is a homemaker. When Tilak was 11 years old, his coach Salim Bayash saw him playing cricket with a tennis ball. Salim recognized Tilak's talent. Salim used to bring Tilak to his academy by traveling 40 kilometers on a scooter. Soon this young player started proving his talent. He made his Ranji Trophy debut for Hyderabad in December 2018. Scored 215 runs in seven matches at a strike rate of 147.26. In February 2019, Tilak made his T20I debut for Hyderabad in the Syed Mushtaq Ali Trophy. Tilak made his Vijay Hazare Trophy debut in September 2019 and not only scored 180 runs in five matches but also took 4 wickets. In the year 2020, he was included in Team India in the Under-19 Cricket World Cup. However, his performance here was not very good and could only score 86 runs in 6 matches. In the year 2022, Tilak Verma got a chance to play in the Indian Premier League (IPL). Mumbai Indians bought him for Rs 1.70 crore. So far he has scored 740 runs in 25 IPL matches and his strike rate is 144.53. Tilak's highest score in IPL is 84 not out and he has also scored three half-centuries. Tilak Verma is an all-rounder and knows how to hit sixes very well. He is a left-handed batsman, while offbreak bowling with the right hand. However, till now he has not got much chance of bowling. India were trailing 2-0 in the five-match T20I series with the West Indies. The third match in Providence turned out to be very decisive. If India had lost this match, they would have lost the series as well. When India suffered two early blows in the form of Yashasvi Jaiswal and Shubman Gill and Suryakumar Yadav was the new batsman on the pitch, Tilak Verma held the pitch. Tilak added 87 runs for the third wicket with Suryakumar. When Tilak was standing at the mouth of his half-century, captain Hardik Pandya won the match by hitting a six. Hardik Pandya is also being trolled on social media for his six, because if Hardik wanted, Tilak Verma could have completed the half century. And cricket is not an individual game but a team game. Middle-order batsman Tilak Verma has a long career ahead of him and is yet to score many centuries. By the way, in the upcoming World Cup, the Board of Control for Cricket in India (BCCI) should give Tilak a chance and place him in the last 16 players. Surely this talented player will not disappoint cricket lovers.

Will the prices of wheat and rice stop?

In view of the ever-increasing prices of major food grains wheat and rice in the country, the Ministry of Consumer Affairs has decided to sell 50 lakh metric tonnes of wheat and 25 lakh metric tonnes of rice through e-auction in the open market through the Food Corporation of India. In view of the ever-increasing prices of major food grains wheat and rice, the Union Ministry of Consumer Affairs has decided to sell 50 lakh metric tonnes of wheat and 25 lakh metric tonnes of rice through e-auction in the open market through the Food Corporation of India. But in this too it has been decided that the basic auction price of both the grains will be reduced by Rs 200 per quintal so that the wholesale traders can lift them.

Even in the month of last June, the government had sold wheat and rice through auction, but the traders were not very enthusiastic to buy them. This time the base auction bid will be Rs 2900 a quintal for wheat and Rs 3100 a quintal for rice, which will be Rs 200 less than the bids of the month of June. These grains were auctioned seven times between June 28 and August 9, but only 8.2 lakh metric tonnes of wheat and 1995 metric tonnes of rice were sold and there was no difference in the retail prices in the market and they continued to increase. Was. If we compare, the price of both the grains has increased by 13 percent in the retail market as compared to last year. In fact, inflation remains a problem in our country as well.

Especially the prices of food items are increasing rapidly, due to which the life of the common man is becoming difficult. The skyrocketing increase in the prices of vegetables shows that the common man is finding it difficult to manage his household expenses with his limited income.

Along with this, the education of his children has also become more expensive with the new academic session. Even the prices of children's copy-books have increased a lot. But the saddest thing is that flour, rice and pulses, which fill the stomach of the common man, are also being sold at high prices. If the average is applied, then due to lack of increase in income, the entire earning of the common man has now increased one and a half times on his food items only. This effort is definitely being made by the government that inflation should not increase much. But we are also seeing less offtake of non-consumer goods in the markets, due to which industrial production is also affected. India's economy has definitely come to a standstill after the Corona period, but the uptick in it has not been as expected, due to which the gross growth rate will be affected. Still looking at the world wide inflation cycle the situation in India is said to be under control. It is expected that the growth rate will be satisfactory in the current financial year. Reserve Bank Governor Shri Shakti Kant Das has decided not to increase bank interest rates in the quarterly monetary policy because it seems that the economy may pick up in the current year. But on the front of food grains, when the government is continuously making efforts to increase the supply in the market and despite that the prices are increasing, then there is a need to worry. India is now a part of a completely market-oriented economy and according to its rule, when the supply of goods increases, the prices should come down. But this is not happening. What could be the reason for this? It seems that such a profiteering lobby has become active in the field of food items, which is engaged in filling its own pockets. The biggest example of this is tomato, which is being sold at Rs 200 to Rs 300 per kg in different markets of India, while the government decided to sell it at Rs 70 per kg from government centers under the market intervention marketing policy. Despite this, the prices of tomatoes are not coming down. Although there is some softening in the prices of edible oil now, but the poor man's edible mustard oil is still considered far from his reach. Market oriented economy has its own advantages and disadvantages. It all depends on the market forces. But we have not yet completely left agriculture to the market forces, due to which the government godowns are filled with grains. In the case of rice, India is the world's largest exporter and in view of its shortage in the world markets, India will have to compensate for its old export deals. However, now a ban has also been imposed on the export of some varieties of rice. Along with this, the prices of raw materials like seeds, fertilizers, etc., which are used in agricultural production, have also increased, while the government is not able to purchase the entire produce of the farmers at the minimum support price. Because of which, when a farmer who sells his produce at a quarter to a quarter price on the occasion of harvest, himself stands in the market as a consumer, then the high prices break his spirits. This is also the negative aspect of market oriented economy. Still, the rate of inflation in India is said to be relatively under control compared to the world inflation rate, but on the currency front, the dollar is continuously becoming costlier and the rupee cheaper. It also affects our economy. Overall, the situation at least creates problems. It is satisfactory that the Reserve Bank is alert in this direction and is taking timely decisions.

नौनिहाल की सुरक्षा से खिलवाड़ , जिम्मेदार अनजान

प्राथमिक विद्यालयों से होकर गुजर रही हाईटेंशन लाइन, 50 से भी ज्यादा विद्यालयों के बच्चे लाइन के नीचे पढ़ रहे

मुरादाबाद- जिले के 50 से भी ज्यादा प्राथमिक और उच्च प्राथमिक, कंपोजिट विद्यालयों के बच्चे जान जोखिम में डालकर हाईटेंशन लाइन के नीचे पढ़ रहे हैं। स्कूलों में हाईटेंशन लाइन छत या परिसर से होकर गुजर रही है। शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इससे अनजान हैं। प्रदेश सरकार भले ही प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति को सुधारने के लाख दावे कर रही हो। मगर धरातल पर स्थितियां किसी से छुपी नहीं हैं। स्कूलों में शिक्षकों और सुविधाओं का अभाव आम बात हो गई है। मगर इससे भी ज्यादा खतरनाक स्थिति बच्चों की सुरक्षा को लेकर है। जिले के 50 से भी ज्यादा बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों की छत और परिसर से हाईटेंशन लाइन गुजर रहीं है। अभी तक इसे लेकर कोई बदलाव नहीं किया गया है। भगतपुर, बिलारी, छजलैट, डिलारी, कुंदरकी, मुरादाबाद, मूंढापांडे समेत ठाकुरद्वारा ब्लाक के स्कूलों में हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। इनमें मोहम्मदपुर ध्यान सिंह, जेबड़ा, फत्तेहपुर विश्नोई, मलहपुर खय्या समेत अन्य गांवों के प्राथमिक विद्यालय भी शामिल हैं। ऐसा भी नहीं कि अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है। मगर फिर इसे गंभीरता से नहीं लिया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि इन स्कूलों के ऊपर से निर्माण के समय से ही हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। इसके लिए बिजली विभाग को पत्र लिखकर बदलाव की मांग की गई है।

शिक्षकों को मिलेंगे टैबलेट

मुरादाबाद। बेसिक शिक्षा विभाग से संबंधित स्कूलों में शिक्षकों को टैबलेट वितरित किए जाएंगे। जिसके लिए विभाग ने तैयारी पूरी कर ली हैं। जिले में 1401 प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालय हैं। इनमें करीब 2.40 लाख बच्चों का पंजीकरण है। जिन्हें पढ़ाने के लिए करीब 5,500 शिक्षक तैनात हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग ने डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में जल्द बेसिक शिक्षा विभाग से संबंधित स्कूलों में पढ़ाने वालों शिक्षकों को टैबलेट उपलब्ध कराए जाएंगे।

खुले बेसिक और माध्यमिक स्कूल

मुरादाबाद। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत प्रदेश भर में चल रहे हर घर तिरंगा व मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के कारण रविवार को बेसिक और माध्यमिक स्कूल खुले। बच्चों के लिए दिन में विशेष मध्यान्ह भोजन का प्रबंध किया गया। बेसिक व माध्यमिक के विद्यालयों में आजादी के अमृत महोत्सव के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 9 से 15 अगस्त के बीच चल रहे कार्यक्रमों में 13 अगस्त को भी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन प्रस्तावित है। जिसे देखते हुए महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरन आनंद ने रविवार को स्कूल खोलने के निर्देश दिए। वहीं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजीत कुमार ने रविवार को बच्चों को एमडीएन के रूप में विशेष भोजन खिलाने के निर्देश दिए हैं। जिसमें शिक्षक अपने स्तर से हलवा, खीर आदि विशेष भोजन का वितरण कर सकते हैं।

महिला शरणालय की तीन महिलाओं को दो साल बाद मिला परिवार, परिजनों से मिलकर भर आईं आंखें

अधिकारियों ने मिठाई खिलाकर किया विदा, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण लखनऊ का रहा सहयोग

मुरादाबाद- महिला शरणालय में आश्रय लिए तीन महिलाओं को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) लखनऊ कार्यालय की मदद से उनका परिवार मिला गया। तीनों महिलाएं दो साल से महिला शरणालय में रह रहीं थी। इनमें दो दिमागी हालत से कमजोर महिलाओं में एक के साथ ढाई साल का बच्ची भी थी। महिलाओं के परिजनों से संपर्क कर विभाग ने उनके परिवार वालों के सुपुर्द कर दिया। महिला शरणालय प्रभारी ने प्रेरणा सिंह ने बताया कि महिला शरणालय में आठ महिलाएं रह रही हैं। जिनमें तीन महिलाओं के बारे में सरकार द्वारा संचालित भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) द्वारा इनके आधार कार्ड की खोज की गई। जिनमें 9 अगस्त को बोल न पाने वाली अमिर फात्मा की रामपुर निवासी मां बिलकिस से संपर्क किया

और उन्हें बताया कि उनकी 40 वर्षीय बेटी महिला शरणालय में है। इसी क्रम में 10 अगस्त को 2021 से महिला शरणालय में रह रही वेस्ट बंगाल निवासी दिमागी हालत से कमजोर 24 वर्षीय रूबी फात्मा के पति फिरोज खान से संपर्क कर उन्हें उनकी पत्नी के बारे में जानकारी दी गई। वहीं बरेली के गांव बरोरा की रहने वाली दिमागी हालत से कमजोर सीमा देवी दो वर्ष पहले अपने ढाई के बच्चे के साथ पाकबड़ा क्षेत्र में मिली थी। जिसे एसडीएम सदर ने महिला शरणालय में भिजवाया था। इनके भी पति संजीव कुमार को फोन कर शुक्रवार की शाम को जिला महिला कल्याण अधिकारी के कार्यालय बुलाया। तीनों महिलाओं को पूर्व जिला महिला कल्याण अधिकारी राजेश गुप्ता और मौजूदा जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी व महिला शरणालय प्रभारी ने परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इतने दिनों बाद मिलकर परिजनों की आंखें भर आईं। महिला शरणालय अधिकारी ने परिजनों को मिठाई खिलाकर विदा किया।

हिजबुल आतंकी अहमद रजा के घर से बरामद हुई यूएसए मेड पिस्टल

एटीएस ने आतंकी के सामने पूरे घर की तलाशी, गांव में और बढ़ी खामोशी

मुरादाबाद- आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस-एंटी टेररिस्ट स्क्वायड) ने हिजबुल मुजाहिद्दीन से जुड़े अहमद रजा के घर से यूएसए मेड ऑटोमेटिक पिस्टल, मैग्जीन और छह कारतूस बरामद किए हैं। एटीएस अहमद रजा को लेकर उसके गांव मिलक गुलड़िया लेकर आई थी। घर में करीब घंटे पर छानबीन भी की, जहां से उसकी निशानदेही पर ही एटीएस को पिस्टल, मैग्जीन व कारतूस कब्जे में लिया। कार्रवाई के दौरान उसकी घर में किसी सदस्य से कोई बात नहीं हुई। उसकी मां गड्डो व बहनें सभी उसकी ओर देखकर मुंह फेर ले रही थीं। एटीएस ने अहमद रजा उर्फ शाहरुख उर्फ मोहिउद्दीन को 3 अगस्त को सहारनपुर से दबोचने का दावा किया था। लंबी पूछताछ के बाद एटीएस के अधिकारी अहमद रजा को उसके गांव लेकर आई थी। विदेशी ऑटोमेटिक पिस्टल, मैग्जीन व कारतूस मिलने पर एटीएस ने पूर्व में दर्ज कराए गए केस में आर्म्स एक्ट की धारा की वृद्धि कराई है। अहमद रजा अभी पुलिस कस्टडी रिमांड पर है। पिस्टल बरामद होने की खबर पर गांव वाले भी हैरत में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अभी कुछ दिन पहले अहमद रजा को एटीएस ने करनपुर से उठाया था लेकिन, वह लोग इतना नहीं जानते थे जितनी सच्चाई सामने आ रही है। फिलहाल, फिर एटीएस के गांव आने और बड़ी बरामदगी के बाद से गांव में कानाफूसी बढ़ गई है। लेकिन, कोई भी ग्रामीण इस मामले में कुछ बताने को तैयार नहीं है। प्रधान फरीदन के बेटे सनब्बर अली ने गांव में एटीएस के आने की जानकारी न होने की बात कह दी। कहा, इस मामले में उन्हें कोई जानकारी नहीं है और न ही उन्हें किसी गांव वाले ने कुछ बताया। यहां तक कि अहमद रजा को लेकर एटीएस के दोबारा उसके घर आने तक के बारे में मूंढापांडे थाना पुलिस को भी जानकारी न होने की बात दरोगा उत्तम मलिक कह रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर बड़ी आतंकी घटना की तैयारी में था अहमद

एटीएस ने दावा किया है कि अभियुक्त अहमद रजा से पूछताछ में पता चला है कि हिजबुल मुजाहिदीन के पोस्टर ब्वाय बुरहान वानी व जाकिर मूसा से वह प्रेरित है और उनको अपना आदर्श मानता है। इसके मोबाइल से वीडियो, फोटो और व्हाट्सएप एवं फेसबुक मैसेंजर चैट भी एटीएस को मिली हैं। व्हाट्सएप एवं फेसबुक चैट्स में पाया गया है कि अभियुक्त अहमद रजा पाकिस्तानी व अफगानी आतंकियों के संपर्क में था और उनसे हथियार चलाने की ट्रेनिंग ले रहा था। अहमद रजा तालिबानी सेना की स्पेशल फोर्स बदरी 313 कमांडों शाखा में शामिल होना चाहता था। अहमद रजा के मोबाइल में मुजाहिदीनों के लिए हथियारों की व्यवस्था करने की चैट व फोटो मिली हैं। अहमद रजा जैश-ए-मोहम्मद के पाकिस्तानी आतंकवादी वलीद के संपर्क में था। इसी के कहने पर उसने ऑटोमैटिक पिस्टल खरीदी। फिरदौस ने अहमद रजा को कश्मीर बुलाकर अनंतनाग की पहाड़ियों में आतंकवादी बनने की ट्रेनिंग दी थी। अहमद रजा अपने साथी से मिलकर आगामी स्वतंत्रता दिवस पर बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने की फिराक में था।

अनुज हत्याकांड : हमलावरों के करीब पहुंची पुलिस, मिले साक्ष्य अहम...गिरफ्तारी बाकी

मुरादाबाद- भाजपा नेता अनुज हत्याकांड में पुलिस टीमें हमलावरों के करीब तक पहुंच गई हैं। अनुज को किसने मारा, कैसे प्लानिंग बनी आदि बिंदुओं के बारे में पुलिस ने जवाब खोज निकाला है। बरेली जेल में निरुद्ध मोहित चौधरी से पुलिस की पूछताछ में काफी कुछ सुराग हाथ लगे होने बात कही जा रही है। घटना के बाद से दर्जनों से अधिक संदिग्धों को उठाकर पुलिस ने लंबी पूछताछ की है। इस दौरान पुलिस ने अनुज से जुड़े लगभग हर दुश्मन तक पहुंचने की कोशिश की है। बताया जा रहा है कि दो दिसंबर 2020 में हाईवे पर हुए गोलीकांड में मोहित चौधरी पर सरेआम गोलियां बरसाई गई थीं। तभी से अनुज मोहित के निशाने पर था लेकिन, कुछ समय बाद मोहित को छात्र नेता दीपक चौहान हत्याकांड में उम्रकैद की सजा हो गई थी। तभी से वह बरेली जेल में निरुद्ध है। खबर है कि अनुज चौधरी की हत्या की पूरी कहानी बरेली जेल से ही गढ़ी गई, इसके बाद उसे अंजाम तक पहुंचाया गया। अंजाम तक पहुंचाने में साथियों ने उसकी मदद की। फिलहाल, इस मामले में अभी कोई दावा करना जल्दबाजी होगी। चूंकि पुलिस भी अभी किसी मजबूत तथ्य को सार्वजनिक नहीं कर रही है। पुलिस सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि अनुज पर गोली चलाने वाले कौन लोग थे, इसके बारे में पता चल गया है। ब्लाक प्रमुख संतोष देवी के नामजद बेटे ने भी पुलिस को तमाम बातें बताई हैं। सीओ अर्पित कपूर ने बताया कि अनुज हत्याकांड में कई बिंदुओं पर अहम जानकारी मिली है लेकिन, उन्हें अभी सार्वजनिक करना जल्दबाजी होगी।

सुपर जोइनिंग वीक

उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live

आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से

रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की

12 पेज का फुल अखबार

एक बार कॉल अवश्य करें

9027776991

प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

उपाध्याय श्री 108 विहसंत सागर महाराज का 40 वा जन्मोत्सव डबरा में मनाया गया

जया अग्रवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

डबरा, ग्वालियर, मध्य प्रदेश- मुनिश्री ने अपने प्रवचन देते हुए भक्तों से कहा दिगंबर मुनि अपना जन्म उत्सव कभी नहीं मनाते वहां परोपकार दिवस मनाते हैं क्योंकि हमारा जन्म मुनि बनकर स्वयं का कल्याण करने के लिए हुआ है यदि इस राह में कोई हमारे साथ जुड़ जाता है तो हम सोचते हैं कि हमारे साथ-साथ इस जीव का भी कल्याण हो जाए। समारोह में जैन भजन सम्राट राजीव विजयवर्गीय ने अनेकों जैन भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों का मन मोह लिया जिसका धर्म प्रेमी बंधु ने भरपूर आनंद लिया। समारोह में मुख्य रूप से मध्यप्रदेश गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा, मंत्री मुन्ना लाल गोयल भारत तिब्बत सहयोग मंच की प्रांत अध्यक्ष मोनिका जैन एडवोकेट, मनोज जैन(जैन कॉलेज)एवं अन्य गुरु भक्त उपस्थित हुए।कार्यक्रम की शुरुआत गणाचार्य श्री 108 विराग सागर महाराज जी के चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुनि श्री को पिछी कमंडल एवं सिंघासन भक्तों द्वारा भेंट किया गया। समस्त भारत से हजारों से भी अधिक की संख्या में मुनि भक्त उपस्थित हुए और और उपस्थित अतिथियों का सम्मान आरोग्यमय में वर्षा योग समिति के सदस्य विनोद जैन, अरुण जैन, नीरू जैन, महावीर जैन, महेंद्र जैन, हेमंत जैन, राजू जैन, ममता जैन, जितेंद्र जैन, बसंत जैन, दिनेश जैन, रवि जैन, लोकेश जैन, सुशीला जैन एवं अन्य सदस्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। एवं समस्त डबरा के मंचों द्वारा मुनिश्री को अर्घ समर्पित किए गए एवं महा आरती की गई।

जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय सुजानडीह का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच
इरफान खान

श्रावस्ती- श्रावस्ती, जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने शुक्रवार को विकास खण्ड हरिहरपुररानी के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय सुजानडीह का आकस्मिक निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय में अध्यापकों की उपस्थिति एवं नामांकन के सापेक्ष छात्र-छात्राओं की उपस्थिति की जांच कर प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया कि पंजीकृत छात्र-छात्राओं की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं को दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता की भी जांच किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने मध्यान्ह भोजन की भी जानकारी ली और रसोई घर में जाकर देखा तो ज्ञात हुआ कि आज मीनू के अनुसार भोजन में तहरी सोयाबीन बना था। जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया कि विद्यालय में छात्र-छात्राओं को प्रतिदिन मीनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन अनिवार्य रूप से मुहैया कराया जाए। उन्होने कहा कि सरकार परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को स्वस्थ्य रखने के लिए गुणवत्तायुक्त मीनू के अनुसार भोजन मुहैया कराया जा रहा है। इसलिए परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं ग्राम प्रधान आपस में सामंजस्य बनाकर बच्चों को प्रत्येक दशा में मीनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन मुहैया कराये। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर में किचन, पेयजल, साफ-सफाई, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण कर जायजा लिया और सभी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरूस्त करने का निर्देश

पत्रिका थाट पावर का शिव कुमार चौबे अध्यक्ष सामान्य वर्ग कल्याण आयोग मध्य प्रदेश शासन भोपाल द्वारा किया गया विमोचन

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

भोपाल शिव कुमार चौबे अध्यक्ष मध्यप्रदेश राज्य सामान्य वर्ग कल्याण आयोग कैबिनेट दर्जा प्राप्त मंत्री मध्य प्रदेश शासन द्वारा भोपाल में किया गया मासिक पत्रिका थॉट पावर का विमोचन करते समय कैप्टन राज द्विवेदी प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय परशुराम परिषद मध्य प्रदेश एवं भारतीय मीडिया फाउंडेशन के सैनिक फोरम के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं साथ में राम सुमिरस द्विवेदी एवं भोपाल राष्ट्रीय परशुराम परिषद की संपूर्ण कार्यकारिणी मौजूद रही शिव कुमार चौबे जी ने पत्रिका समूह के संपादक प्रतीक तिवारी एवं सह संपादक दिलीप कुशवाहा एवं प्रदीप कुमार तिवारी प्रबंधक को बहुत-बहुत बधाइयां एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह मैगजीन हमारे समाज और देश हित के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगी और मैगजीन निरंतर प्रगति पथ पर चलती रहेगी प्रदीप कुमार तिवारी पत्रकार के साथ साथ राष्ट्रीय अधिमान्य पत्रकार संगठन में प्रदेश उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश हैं एवं भारतीय मीडिया फाउंडेशन में राष्ट्रीय पार्षद एवं राज्य चेयरमैन मध्य प्रदेश नियुक्ति है

जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय सुजानडीह का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच
इरफान खान

श्रावस्ती- श्रावस्ती, धिकारी कृतिका शर्मा ने शुक्रवार को विकास खण्ड हरिहरपुररानी के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय सुजानडीह का आकस्मिक निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय में अध्यापकों की उपस्थिति एवं नामांकन के सापेक्ष छात्र-छात्राओं की उपस्थिति की जांच कर प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया कि पंजीकृत छात्र-छात्राओं की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं को दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता की भी जांच किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने मध्यान्ह भोजन की भी जानकारी ली और रसोई घर में जाकर देखा तो ज्ञात हुआ कि आज मीनू के अनुसार भोजन में तहरी सोयाबीन बना था। जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया कि विद्यालय में छात्र-छात्राओं को प्रतिदिन मीनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन अनिवार्य रूप से मुहैया कराया जाए। उन्होने कहा कि सरकार परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को स्वस्थ्य रखने के लिए गुणवत्तायुक्त मीनू के अनुसार भोजन मुहैया कराया जा रहा है। इसलिए परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं ग्राम प्रधान आपस में सामंजस्य बनाकर बच्चों को प्रत्येक दशा में मीनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन मुहैया कराये। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर में किचन, पेयजल, साफ-सफाई, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण कर जायजा लिया और सभी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरूस्त करने का निर्देश ।

मेरी माटी,मेरा देश के अंतर्गत हुए कार्यक्रम में देशभक्ति कविताओं से सराबोर हुए बच्चे,खाया हलवा

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।मेरा देश बदल रहा है।अब यह बात मासूम बच्चों के दिमाग में भी कौंध रहा है। जिसकी बानगी प्राथमिक विद्यालय पिपरिया रामदयाल, तुलसीपुर, लाड़पुर रिठौरा, खाता,भंडसर, बंजरिया, सावर खेड़ा,मुंडिया अहमदनगर,मनेहरा में रविवार को देखने को मिली। जहां अमूमन रोज के दिनों में भी बच्चे स्कूल जाने में आना-कानी करते नज़र आते हैं। वहीं रविवार को छुट्टी के दिन स्कूलों में भारी संख्या में बच्चों की उपस्थिति यह बताने के लिए काफी है।मेरा देश बदल रहा है।शिक्षा का स्तर बदल रहा है।देश के प्रधानमंत्री के आह्वान पर पूरे देश में अमृत महोत्सव की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर विशेष कार्यक्रम मेरी माटी ,मेरा देश आज हर किसी की जुबान पर है।इसका उदाहरण रविवार को स्कूलों में देखने को मिला। बच्चों ने विभिन्न देश भक्ति गीत, कहानी,और कविताओं से पूरे माहौल में देश प्रेम एवं वीर बलिदानियों के त्याग की मूर्ति साकार कर दी। प्रधानाध्यापिका हेमलता ने बच्चों को घर में विभिन्न बेकार पड़ी चीजों से कुछ नया बनाने की प्रेरणा दी।तथा बीते कल तथा गुलामी के दिनों की बातें बताते हुए आज़ादी के लिए हमारे देश के उन वीर सपूतों को याद करते -करते भावुक होकर अपने आप को संभालते हुए बच्चों को देश के प्रति सदैव जागरूक रहने की शपथ दिलाई। इस मौके पर दिलीप कुमार, साजदि,कमल कुमार, शिक्षिका मंजू पिप्पल,रीना,फरहाना, सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

डभौरा नगर परिषद चुनावी रंजिश में फंसा डभौरा के अधूरा निर्माण कार्य

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

डभौरा थाने से स्टेशन तक जाने वाली मार्ग निर्माण तथा रोड निर्माण कार्य खुदाई करके छोड़ दिया गया है जिससे पब्लिक काफी परेशान है लगभग 6 महीनों से कार्य अधूरा है जिससे जगह-जगह पानी रोड में भरा हुआ है तथा कीचड़ भरा हुआ है जिससे गंभीरा, बीमारी उत्पन्न हो सकती है चुनाव नजदीक होने के कारण निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है ताकि वोट बैंक खराब ना हो सके जबकि एसडीएम को नगर परिषद डभौरा के द्वारा कई बार सूचित किया गया तथा अवैध अतिक्रमण हटाने का मांग की गई फिर भी काम नहीं हो पाया है स्वच्छता मिशन के तहत साफ सफाई का विशेष ध्यान दिया जाए क्योंकि डभौरा रोड में नाली के पटरी के अगल-बगल बहुत ज्यादा कचरा फैला हुआ है जिसकी सफाई नियमित होनी , चाहिए जिससे कि यहां के लोग बीमार ना हो आधार कार्ड बनाने की सुविधा डभौरा स्थापित की जाए ऐसी मांग क्षेत्रीय लोगों द्वारा की गई है लाइट का झूठा आश्वासन 24 घंटा लाइट मिलेगी रीवा वासियों को दिन में कम से कम 50 से 100 बार लाइट आती है जाती है इसकी व्यवस्था नियमित की जानी चाहिए नहीं तो , सत्ता पक्ष सरकार को भारी नुकसान सहन करना पड़ सकता हैं

लव विद्यापीठ एवं शिवालिक महाविद्यालय भिनगा में सेमिनार का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती- जिलाधिकारी कृतिका शर्मा के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत **UPSC/ UPPSC/NEET/ JEE/NDA/CDS** एवं अन्य एकदिवसीय परीक्षाओं हेतु लव विद्यापीठ एवं शिवालिक महाविद्यालय भिनगा में जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. अमरनाथ यति की अध्यक्षता में सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ0 एस0एन0 सिंह द्वारा अभ्युदय योजना के उद्देश्य, विशेषताएं एवं आवेदन प्रक्रिया एवं उपलब्धियों की जानकारी दी गई। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि **UPSC/NEET/NDA/ CDS** एवं एक दिवसीय परीक्षाओं की तैयारी हेतु आवेदन अभी भी हो रहे हैं, विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय का भी संचालन किया जा चुका है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उच्च स्तरीय विशेषज्ञों एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है, जिसका लाभ उठाकर वे अपने मुकाम को हासिल कर सकते है और अपने भविष्य को उज्जवल बना सकते है।

केंद्र में विरोधी दलों की सरकार होती तो देश का बंटवारा जरूर हो जाता - राकेश कुमार सिंह

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ- भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सेक्टर प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने साफ कहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश के लिए काम कभी नहीं करते आलोचना बहुत करते हैं इनका पूरा भविष्य राजनीतिक आलोचना में ही गया मोदी जी से तुलना करते हैं भाजपा के 1 सदस्य की बराबर वैल्यू नहीं है भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने यह भी कहा है कि अगर समय से देश में भाजपा की सरकार नहीं आती नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री नहीं होते तो कांग्रेस देश का बंटवारा कर देता इसमें कोई दो राय नहीं है भाजपा सरकार ने देश को बटवारा होने से बचाया है कांग्रेस का इरादा ही कुछ इसी तरह का था भाजपा किसान मोर्चा के गद्दावर नेता पूर्व जिला अध्यक्ष ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने विरोधी दलों के नेताओं पर पलटवार करते हुए कहा है के विरोधी दलों के नेता मणिपुर पर घनौली राजनीति कर रहे हैं मणिपुर की घटना पर सरकार कठोर कार्रवाई कर रही है भाजपा किसान मोर्चा के नेता ने यह भी कहा है कि विरोधी दलों के नेता देश में प्रदेश में अच्छा कार्य कर रहे होते तो जनता ने सत्ता से दूर नहीं फेंक दिए होते विरोधी दलों के नेताओं ने देश को जातिवादी में ढकने का काम किया और देश का बटवारा करने का भी काम किया भाजपा किसान मोर्चा विरोधी दलों के नेताओं की मणिपुर पर घनौली राजनीति का घोर विरोध करता है इस लिए हम सबको जागरूकता लाने के लिए यह कार्यक्रम चलाने चाहिए ।इस मौके पर गिरधर गोपाल खण्डेलवाल, डॉक्टर विनय खण्डेलवाल, अशोक गोयल, राजेश गुप्ता,पवन अग्रवाल,भीम अर्जुन दास, डॉक्टर अमरेश कुमार, सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

''मेरी माटी मेरा देश'' के अंतर्गत छात्रों के मध्य कविता गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
शेर सिंह

बरेली-कंपोजिट विद्यालय सत्तारनगर में मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत छात्रों के मध्य कविता गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया छात्रों के देशभक्ति कविताओं एवं गीतों से विद्यालय वातावरण देशभक्ति से भर दियाद्य इस अवसर पर प्रधानाध्यापक नरेंद्रनाथ के द्वारा विशेष भोजन हलवा का वितरण किया गयाद्य प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक मंत्री अनिल कुमार सिंह ने बताया कि सरकार का यह कार्यक्रम अति प्रसंशनीय एवं सराहनीय हैं इससे बच्चों के साथ-साथ आम जन में भी देशभक्ति की भावना जागृत होगीद्य इस मौके पर ग्राम प्रधान श्रीमती कमलेश, समस्त विद्यालय स्टाफ अंकित , नीलम सागर, नीरज आदि उपस्थित रहे

वन मंत्री ने इस्कॉन मंदिर में किया पौधारोपण

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। रविवार को इस्कॉन मंदिर परिसर में वन मंत्री डॉक्टर अरूण कुमार ने पौधारोपण किया।इस मौके पर बोलते हुए श्री कुमार ने कहा वर्तमान पीढ़ी के जीवन को बेहतर और सुगम रखने के लिए तथा आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने में पेड़ों -पौधों का विशेष महत्व है।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर/विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करें
9027776991
प्रसारित क्षेत्र – उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

माफिया के गुर्गों के विरोध के बाद डीएम आवास के निकट की गई पैमाइश की खानापूर्ति

क्यूँ न लिखूँ सच
हारुन बख्श

फर्रुखाबाद फर्रुखाबाद मे मुकदमा दर्ज कराने की हिम्मत नहीं कर सकता है डीएम ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को तुरंत ही वैधानिक कार्यवाही करने का आदेश दिया नगर पालिका के ईओं ने मऊ दरवाजा थानाध्यक्ष को उक्त घटना की की रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने के लिए 15 जून को पत्र भेजा। मालूम कि रज्जू का फतेहगढ़ कचहरी तिराए के निकट आलीशान ब्लू हैबिन होटल है सुधीर दिवाकर ने एफबीडी न्यूज को बताया कि रज्जू के ऊपर डकैती गुंडा एक्ट गेंगस्टर आदि संगीन घटनाओं के 21 मुकदमे दर्ज हैं रज्जू ने डीएम आवास के निकट अवैध रूप से 48 बैनामो से सरकारी जमीन बेच कर करोड़ों रुपयों की कमाई की है सुधीर ने बताया कि मेरी शिकायत पर राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने सरकारी अभिलेखों में उक्त भूमि के संबंध में प्रविष्ट फर्जी प्रतीत होनी पाई है तहसीलदार सदर प्रभारी राजस्व निरीक्षक एवं क्षेत्रीय लेखपाल ने इस आशय की रिपोर्ट जिलाधिकारी को 30 मई को दी डीएम ने पुन पैमाइश के आदेश दिए बताया गया है कि अधिकारियों ने खेल करके पैमाइश के नाम पर खानापूर्ति की है एक अधिकारी का ड्राइवर रज्जू के घर के पास ही रहता है उसी ने सरकारी जमीन के कब्जादारों की अधिकारी से सेटिंग करायी है सुधीर दिवाकर ने बताया कि यदि सही ढंग से पैमाइश नहीं की गई तो मामले की शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं एससी एसटी आयोग में की जाएगी

युवक ने पत्नी को अपशब्द कहने वाले ड्राइवर की हत्या कर दी, सोहना से किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ- पूछताछ में अमित ने बताया कि उसकी पत्नी का वीडियो कॉल आया था और विकल ने शराब के नशे में उसे अपशब्द कहे थे। इसी को लेकर विकल को शराब पिलाकर हत्या कर दी थी। फरीदाबाद क्राइम ब्रांच-65 टीम ने आईएमटी मच्छगर में ट्रक ड्राइवर विकल की हत्या के मामले में आरोपी सिक्योरिटी गार्ड अमित को गुरुग्राम के सोहना से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अमित ने बताया कि उसकी पत्नी का वीडियो कॉल आया था और विकल ने शराब के नशे में उसे अपशब्द कहे थे। इसी को लेकर विकल को शराब पिलाकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर दो दिन की रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान आरोपी के कब्जे से मृतक के पैसे, मोबाइल व वारदात में प्रयोग मोटरसाइकिल बरामद की जाएगी। क्राइम ब्रांच-65 के प्रभारी ब्रह्म प्रकाश ने बताया कि 31 वर्षीय आरोपी अमित मूलरूप से अलीगढ़ का रहने वाला है और फिलहाल मच्छगर गांव में रह रहा था। आरोपी अमित और मृतक विकल सेक्टर-68 स्थित एक कंपनी में साथ काम करते थे। अमित कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था और विकल ट्रक ड्राइवर था। 28 जुलाई की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि मच्छगर के पास झाड़ियों में एक युवक का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही मौके पर थाना प्रबंधक सदर महेंद्र पाठक टीम के साथ पहुंचे। मृतक की पहचान यूपी के रामपुरा निवासी विकल के रूप में हुई। मृतक के परिजनों के मुताबिक, विकल अक्सर फरीदाबाद सामान लेकर आता था और साथियों के साथ ही रहता था। 22 जुलाई को कंपनी से गाड़ी लेकर निकला था, लेकिन उसके बाद घर नहीं लौटा। परिजनों ने 26 जुलाई को गुमशुदगी की सूचना दी, जिसके आधार पर सदर बल्लभगढ़ थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू की गई थी। आरोपी को सोहना से गिरफ्तार कर लिया।

जिलाधिकारी ने दौरा कर लिया जलभराव का जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने पहाड़ से आये पानी/बरसात के पानी से केन नाला उफनाने के कारण हुए गांव के खेतों में जल भराव वाले क्षेत्रों/गांवों का दौरा कर जायजा लिया तथा ग्रामीणों से मिलकर उनका कुशल क्षेम भी जाना। इस दौरान जिलाधिकारी ने विकास खण्ड सिरसिया के अन्तर्गत भिनगा-लक्ष्मनपुर मार्ग पर स्थित केन नाले का पुल, ग्राम पिपरहवा, ग्राम दुधवनिया एवं बहादुरपुर आदि गांवों का दौरा कर जायजा लिया। जायजा लेने के दौरान यह पाया गया कि ग्राम पिपरहवा, दुधवनिया के पास सड़क पर पूर्व में जो पानी बह रहा था, वह बिल्कुल खत्म हो गया है जनमानस के आवागमन में भी कोई दिक्कत नहीं है। फिर भी जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निरन्तर निगरानी रखने एवं ग्राम वासियों से सीधा संवाद बनाये रखने का निर्देश दिया है।

वेट वर्सिटी ने पेशेवर कौशल को शिक्षित करने के लिए नई डिग्री पेश की, आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 अगस्त

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, लुधियाना ने एक अभिनव और परिवर्तनकारी शैक्षिक पहल का अनावरण किया, जो कृषि शिक्षा और उद्यमिता के परिदृश्य को नया आकार देने के लिए तैयार है। विश्वविद्यालय ने एकीकृत खेती और उद्यमिता में बैचलर ऑफ वोकेशन (बी.वोक.) कार्यक्रम शुरू किया, जो एक अभूतपूर्व पाठ्यक्रम है जो उद्यमशीलता कौशल के साथ टिकाऊ कृषि प्रथाओं का विलय करता है। खाद्य उत्पादन, पर्यावरणीय स्थिरता और वैश्विक विकास की चुनौतियों से जूझ रही दुनिया में, वेट वर्सिटी इस दूरदर्शी कार्यक्रम के साथ एक साहसिक कदम उठा रहा है। इस डिग्री प्रोग्राम का उद्देश्य भावी छात्रों को गतिशील और लगातार विकसित हो रहे कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और मानसिकता से लैस करना है। कुलपति डॉ.इंद्रजीत सिंह ने कहा कि खाद्य उत्पादन प्रणाली की जरूरत है वैश्विक गुणवत्ता मानकों को पूरा करने, पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करने, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ता और उन्हें पूरा करने के लिए पुनर्गठित किया गया है। हमारा (बी.वोक.) कार्यक्रम एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है जो न केवल पारंपरिक कृषि ज्ञान प्रदान करता है बल्कि उद्यमिता की गहरी समझ भी पैदा करता है, जो हमारे स्नातकों को क्षेत्र में उद्यमी बनने की राह पर ले जाता है। कार्यक्रम छात्रों को लचीलापन और सुविधा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। 2023-24 शैक्षणिक वर्ष के लिए प्रारंभिक प्रविष्टि प्रथम सेमेस्टर में होगी, पार्श्व प्रवेश के साथ बाद के सेमेस्टर में विकल्प उपलब्ध हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 अगस्त 2023 है। प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा।

एटा पहुंचा ईरानी नागरिक, एजेंसी सतर्क

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा -यह इरानी नागरिक भारत और भारत के लोगों को पसंद करता था। इस कारण वह भारत में बसकर नौकरी करना चाहता था। होटल में कमरा लेने से पहले वह थर्मल पॉवर प्लांट भी घूम आया।पुलिस से जुड़े सूत्रों की मानें तो वह मलावन थर्मल पॉवर प्लांट तक भी पहुंच गया था और वहां से लौट आया था। पुलिस की जांच में सामने आया है

कि वह सिर्फ भारत में रहना चाहता था और वापस नहीं जाना चाहता है। इसी लिए वह चुपचाप अपने साथियों से अलग हो गया। इरानी नागरिक को किसी तरह से जानकारी हुई कि मलावन स्थित प्लांट में विदेश के लोग भी नौकरी करते हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि रास्ते में एक गांव के लोग भी मिले और वह लोग गांव छछैना बताये जा रहे है। वहां के लोगों ने ईरानी नागरिक की मदद की और शहर तक आकर छोड़ा भी था। रात गुजारने के लिए होटल या फिर ऐसा स्थान तलाश कर रहे थे जहां वह ठहर सके। ठहरने के लिए होटल पर गए थे वहां पुलिस भी आ गई। पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए साथ ले गए। आईबी, एलआईयू सहित कई टीमों ने पूछताछ की। पुलिस जांच में सामने आया है कि वह साथियों के साथ वापस ईरान नहीं जाना चाहता था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भारत में रहने के लिए एक अमेरिका वेबसाइट को भी सर्च किया था। उसमें देखा था कि किस तरह से भारत में रह सकता है।

महाकाल जल अभिषेक करने के बाद महंत सत्य प्रकाश अग्रवाल ने कराया विशाल भंडारा

क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी पश्चिमी ट्ट कस्बे के महंत सत्य प्रकाश अग्रवाल 250 कांवरियों का जत्था लेकर उज्जैन महाकाल जल अभिषेक करने गए थे वहां से सकुशल वापस लौट के आने के बाद आज उन्होंने कस्बे की मेन मार्केट सिखों वाली गली के पास विशाल भंडारे का आयोजन कर दूरदराज से आए कावड़ियों और कस्बा वासियों के लिए पूड़ी कचौड़ी के साथ खीर वितरण कराई गई। महंत सत्य प्रकाश अग्रवाल ने बताया इस समय श्रावण मास के दिन चल रहे हैं। इन दिनों में दान पुण्य करने का बहुत बड़ा महत्व होता है। कल 14 अगस्त को सावन का छठा सोमवार है। जगह-जगह से कावड़ियों के जत्थे जल अभिषेक करने के लिए रवाना होने लगे हैं। कल सोमवार को कावड़ियों का सड़कों पर जन सैलाब दिखाई पड़ेगा। उजिसमें पूड़ी सब्जी के साथ विशेष तौर पर काजू पिस्ता बादाम मखाने आदि चीजें मिलाकर स्पेशल खीर तैयार कर वितरण कराई गई। इस मौके पर कस्बे के प्रमुख समाजसेवी विनोद , नरेश ऐरन, शशांक , प्रशांत , आशीष , दीपक गोयल, जगत सिंह उर्फ सनी, डॉ मुदित सिंह, अखिलेश , अमित कुमार सिंह, सुबोध , सर्वेश , अन्नू लाला, सभासद अबोध ठाकुर, उमंग , निशांत चौधरी, मयंक , दीपक , दर्पण, प्रेमपाल , अंशुल शोभित , वेद , जतिन आदि कस्बा वासियों और दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों से कस्बे में खरीदारी करने आए लोगों ने खीर का आनंद लिया।

तालानगरी फैक्ट्री में चोरी करते तीन आरोपित दबोचे

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ- हरदुआगंज क्षेत्र की तालानगरी में फैक्ट्री में चोरी करते तीन चोरों क स्टाफ ने दबोचकर पुलिस के हवाले किया । अलीगढ़ निवासी चंद्रशेखर शर्मा की सेक्टर एक में सी-25व सी-26 कृष्णा आर्ट एंड कंपनी के नाम से फैदट्री हैं । उन्होंने बताया कि 5 दिन पहले चोर उसकी फैक्ट्री से ब्रास प्लेट आदि सामान चोरी कर ले गए थे । वहीं की रात फैक्ट्री में तीन युवक चोरी के इरादे से जा घुसे, जिन्हें मौजूद लोगों ने दवोच लिया तीनों गांव मोरथल के रहने वाले हैं, जिनमें एक इस्कान मंदिर में दानपात्र चोरी के आरोप में पिछले माह जेल से छूटकर आया है । वहीं पुलिस चंद्रशेखर शर्मा की तहरीर पर अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर युवकों से पूछताछ में जुटी है।

211 कांवड़ियों ने पांडेश्वर नाथ मंदिर तक पैदल चलकर बम बम भोले नाथ हर हर महादेव

क्यूँ न लिखूँ सच
हारुन बक्श

फर्रुखाबाद -सावन का महीना कृष्ण पक्ष प्रदोष परसोत्तम मास मैं भगवान भोले शंकर का पांचाल घाट कांवरियों ने जल भरकर 211 कांवड़ियों ने पांडेश्वर नाथ मंदिर तक पैदल चलकर बम बम भोले नाथ हर हर महादेव के नारे लगते हुए पांचाल घाट कादरी गेट लाल गेट चौक चौराहा घूमना रेलवे रोड पांडेश्वर नाथ मंदिर कांवरियों ने बम बम भोले नाथ हर हर महादेव काशी विश्वनाथ पांडेश्वर नाथ मंदिर में श्रद्धा भाव से कांवड़ियों ने भगवान का जल अभिषेक किया प्रदेश अध्यक्ष विमलेश मिश्रा प्रमोद गौरव दीपक राठौर अमित कुलची गंगा मैया पांडेश्वर नाथ भोलेनाथ की कृपा से कावड़ यात्रा बड़ी धूमधाम से निकाली गई पुलिस की व्यवस्था सुचारू रूप की गई जगह जगह जल पान कराया गया रामानंद इंटर कॉलेज में कांवरियों को परसादी की व्यवस्था रखी गई श्री शिवाय नमस्तुभयम ओम नमः शिवाय बम बम भोले नाथ के जगह-जगह नारे लगते हुए कांवरिया नाचते गाते भगवान भोलेनाथ के दर्शन पाकर धन्य हुए

कार्यकर्ताओं को बुड्ढा दरिया पदयात्रा-3 के चरण-4 के दौरान कड़ियां ग़ायब मिलीं

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - कायाकल्प प्रक्रिया की प्रगति में बाधा डालने वाले घोर उपेक्षित पहलुओं का पता लगाने के लिए स्वयंसेवक एक मिशन उन्मुख यात्रा पर गऊ घाट गुरुद्वारा साहिब ब्रिज पहुंचे। लुधियाना के केंद्रीय निर्वाचन क्षेत्र में आने वाले वार्ड के आसपास के इलाकों में रहने वाले नागरिकों एवं राहगीरों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए एक घंटे का अभियान चलाया। विचारों का आदान-प्रदान किया गया और लोगों को बुड्ढा दरिया को फिर से स्वच्छ बनाने के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए पत्रक वितरित किए गए। टीम का नेतृत्व प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता महिंदर सिंह सेखों ने किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान स्थान पर पम्पिंग

स्टेशन स्थापित करने की योजना अब तक पूर्ण न हो पाने के कारण असफल रही है। प्रशासन मामूली आधार पर जमीन का टुकड़ा हासिल करने में विफल रहा है। क्षेत्र में मौजूद बड़ी संख्या में एमएलयू इकाइयां प्रदूषित औद्योगिक पानी को सीवर लाइनों में और सीधे नालों के माध्यम से बुड्ढा दरिया में छोड़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि बाढ़ समाप्त हो जाने के बाद, ड्रेजिंग, काले प्रदूषित पानी का गाढ़ा घनत्व, कई प्रदूषणकारी औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई, पीछे रह गई लगती है। उन्हें कार्रवाई का प्राथमिक तरीका होना चाहिए।

देश हित के लिए की गई सेवा ही सर्वोपरि धर्म-गौरव अरोड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - भाजपा जिलाध्यक्ष रजनीश धीमान के दिशा निर्देश के आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में फ्री होम्योपैथिक मेडिकल कैंप सिद्ध योगी बाबा बालक नाथ मंदिर जस्सियां रोड हैबोवाल में मंडल अध्यक्ष गौरव अरोड़ा की अध्यक्षता में लगाया गया। इस मौके पर डिवाइन क्योर होम्योपैथिक क्लीनिक की डॉ.सीमा लांबा द्वारा मरीजों की जांच कर उनको फ्री दवाइयां दी गई।

इस होम्योपैथिक मेडिकल कैंप में 110 मरीजों ने लाभ उठाया। इस मौके गौरव अरोड़ा ने कहा कि देश हित के लिए की गई सेवा ही सर्वोपरि धर्म है।इस कैंप को लगाने का मुख्य उद्देश्य गरीब व असहाय लोगो की मदद करना है।ताकि कोई भी गरीब व असहाय इलाज से वंचित न रह सके।

बाइक की आपस में टक्कर से पिता पुत्र घायल

क्यूँ न लिखूँ सच -हारुन बक्श

फर्रुखाबाद - कायमगंज दो बाइक की आपस में टक्कर से पिता पुत्र घायल कायमगंज के सटे गांव झब्बुपुर में इनाम सिंह उम्र 32 वर्ष जोकि अपने पुत्र आकाश 10 वर्ष के साथ अपने कायमपुर घर को जा रहे थे वहीं अचानक रास्ते में तेज रफ्तार बाइक सवार आलोक पुत्र सर्वेश कुमार निवासी अल्लाहपुर उम्र 20 वर्ष ने एक वाहन का ओवरटेक किया जिससे उसकी बाइक ने टक्कर मार दी जिससे पिता पुत्र घायल हो गये साथ ही साथ आलोक पुत्र सर्वेश कुमार 20 वर्ष भी घायल हो गया वही लोगों के द्वारा घायल को सी एच सी कायमगंज में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर द्वारा उपचार किया जा रहा है

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक महोदय ने थाना सामाधान दिवस के अवसर पर थाना नवाबगंज में सुनी फरियादियों की समस्यायें

क्यूँ न लिखूँ सच
हारुन बक्श

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद नवाबगंज थाना सामाधान दिवस में आशादेवी पत्नी श्री राजेन्द्र प्रसाद निवासी ग्राम चॉदपुर थाना नवाबगंज ने जिलाधिकारी के समझ प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अवगत कराया कि दिनांक 20.07.2012 को लालसिंह पुत्र अहिवरन सिंह निवासी नगला जब्ब से रकवा0.251 हैक्टएअर खेत का बैनामा कराया था। उस जमीन पर मेरा कब्जा भी है। लेकिन अब नरेन्द्र यादव,सत्येन्द्र यादव पुत्र लालसिंह मेरे द्वारा करायी गयी बैनामा की जमीन पर मकान बनाने नहीं दे रहे है। शिकायत का संज्ञान लेकर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक मयपुलिस टीम,कानूनगो लेखपाल सहित मौके पर पहुंच कर, दोनों पक्षकार के सामने समस्या का निस्तारण कराया। और टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा बैनामा कराई गई जमीन की तत्काल पैमाइश कर शिकायतकर्ता को कब्जा दिलाकर आज ही रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। यदि विपक्षीगण सरकारी कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करे तो तत्काल दंडात्मक कार्यवाही अमल में लाई जाए।

अनुशासन व आस्था का संगम है कांवड़ यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच
श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद - उत्तर प्रदेश जनपद कांवड़ में गंगाजल लेकर अपने आराध्य देव भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए भक्तों का सैलाब गंतव्य की ओर कूच करता है। आस्था और अनुशासन के उल्लास में डूबी केसरिया कतार में बम भोले का जयघोष लगातार बुलंद हो रहा है। भक्तों का विश्वास है कि सावन महीने में भोले भंडारी शिव कैलास छोड़कर शिवालयों में बसेरा कर लेते हैं। वह भक्तों की फरियाद ही नहीं सुनते, बल्कि आशीर्वाद से उनकी झोली भी भर देते हैं। यही कारण है कि भगवान और भक्त का मिलन कराने वाले सावन में भक्ति शिखर पर होती है। इस बार प्रस्तुत है कांवड़ के पौराणिक महत्व और इतिहास को स्पर्श करती हुई शिवभक्ति की कथा। 'कांवड़' शब्द संस्कृत के कांवारथी से बना है। यह बांस की पट्टी से बनाई गई एक तरह की बहंगी होती है।

वैदिक अनुष्ठान के साथ गंगाजल का संगम होने पर ही यह कांवड़ भक्ति और आस्था में परिवर्तित हो जाती है। भक्त इसे फूलमाला, घटी, खिलौने और घुंघरुओं से खूब सजाते हैं। यात्रा के दौरान शिवभक्त सांसारिक दुनिया से दूर वैराग्य जीवन बिताते हैं। वे अपने आपको सख्त अनुशासन में बांधकर रखते हैं। ब्रह्मचर्य, शुद्ध विचार, सात्विक आहार और नैसर्गिक दिनचर्या का पालन करते हैं। कावड़ यात्रा को जीवन यात्रा के प्रतीक स्वरूप समझा जा सकता है। इसका उद्देश्य कठिन यात्रा को अनुशासन, सात्विकता और वैराग्य के साथ ईश्वर तक पहुंचाना निर्धारित किया गया है। कठिन यात्रा के दौरान तमाम नियमों का पालन करते हुए शिव भक्त अपनी मान्यता के अनुसार शिवालय तक पहुंचते हैं और शुभ मुहुर्त में कांवड़ में लाए गए गंगाजल से शिव का अभिषेक करते हैं। फर्रुखाबाद में भी गंगा के किनारे किनारे बड़ी संख्या में शिव मन्दिर हैं7 परशुराम ने शुरू की थी कांवड़ कांवड़ यात्रा को लेकर कई पौराणिक कहानियां काफी समय से चली आ रही हैं। सबसे प्रचलित कहानी परशुराम की है। कथा के अनुसार भगवान परशुराम ने अपने आराध्य देव शिव के नियमित पूजन के लिए पुरा महादेव (जनपद बागपत) में मंदिर की स्थापना की। उन्होंने कावड़ में गंगाजल लाकर पूजन कर कावड़ परंपरा की शुरुआत की। वर्तमान में देशभर में कांवड़ यात्रा काफी प्रचलित है। कथा के अनुसार कावड़ परंपरा शुरू करने वाले भगवान परशुराम की पूजा भी श्रावण मास में की जानी चाहिए। परशुराम श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को कावड़ में जल लाकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते थे। शिव को श्रावण का सोमवार विशेष रूप से प्रिय है। श्रावण में भगवान आशुतोष का गंगाजल व पंचामृत से अभिषेक करने से मन शीतल होता है। राम और रावण भी लाए थे कांवड़ दूसरी कथा के अनुसार शिव का परम भक्त लंका नरेश रावण पहला कांवड़िया था। रावण भी शिव को प्रसन्न करने के लिए कांवड़ में गंगाजल लेकर आता था और जलाभिषेक करता था। मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने भी शिव की पूजा करने के साथ कावड़ लाकर गंगाजल का अभिषेक किया था। कांवड़ को लेकर कई अन्य कथाएं भी प्रचलित हैं। चार प्रकार की होती है कावड़ सामान्य कावड़ हरिद्वार और गंगोत्री से गंगाजल लेकर चलने वाले कांवड़िये अपनी आस्था के अनुसार यात्रा पूरी करते हैं। कांवड़ के चार प्रकार निर्धारित किए गए हैं। सामान्य कांवड़ लाने वाले शिवभक्त अपनी यात्रा के दौरान जहा चाहे रुककर आराम कर सकते हैं। आराम के दौरान कावड़ स्टैण्ड पर रखी जाती है। इस दौरान कांवड़ जमीन से दूर रखी जाती है। इसे झूला कांवड़ भी कहा जाता है। डाक कावड़ डाक कावड़ यात्रा में भक्त को लगातार चलते रहना पड़ता है। वह यात्रा शुरू करने के बाद जलाभिषेक के बाद ही रुकते हैं। यह यात्रा एक निश्चित समय के अंदर पूरी करनी पड़ती है। वर्तमान में शिव भक्त समूह में यह यात्रा करते हैं। वर्तमान में डाक कांवड़ की संख्या में काफी इजाफा हो रहा है। खड़ी कावड़ भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए बड़ी संख्या में शिव भक्त खड़ी कावड़ लेकर चलते हैं। इस दौरान उनकी मदद के लिए सहयोगी भी साथ चलता है। यात्रा के दौरान कांवड़ को सिर्फ कंधे पर ही रखा जा सकता है। इसे काफी काफी कठिन यात्रा माना जाता है। दांडी कावड़ सबसे अधिक कठोर और शरीर को कष्ट देने वाली कांवड़ दांडी कांवड़ है। दांडी कांवड़ वाले भक्त नदी तट से शिवधाम तक की यात्रा दंड देते हुए पूरी करते हैं। दंड के अनुसार कावड़ यात्रा की दूरी को अपने शरीर की लंबाई से लेटकर नापते हुए पूरी करते हैं। कई दिनों में पूरी होने वाली इस यात्रा का अंत शिवालय पहुंचकर भोलेनाथ पर जलाभिषेक के साथ होता है। समय के साथ बदली कांवड़ पौराणिक समय से आधुनिक काल तक का सफर तय करते हुए कांवड़ के स्वरूप और आस्था में भी काफी बदलाव हुआ है। अब काफी संख्या में शिव भक्त अपने वाहन पर गंगाजल लेकर भोले पर चढ़ाने के लिए निकलते हैं। डाक कांवड़ के दौरान डीजे की तेज आवाज और भव्य साज-सज्जा का पूरा ध्यान रखा जाने लगा है। शिवरात्रि और महाशिवरात्रिवर्ष में कुल 12 शिवरात्रि होती हैं। सबसे अहम महाशिवरात्रि को माना जाता है। मान्यता है कि सृष्टि का प्रारंभ इसी दिन से हुआ। पौराणिक कथाओं के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का विवाह पार्वती के साथ हुआ था। यही कारण है कि सावन माह में आने वाली शिवरात्रि को काफी श्रद्धापूर्वक मनाया जाता है। मान्यता है कि सावन माह में शिवरात्रि मनुष्य के सभी पाप धो देती है। शिवरात्रि पर व्रत और पूजन करने से पाप का नाश होता है और मान्यता है कि कुंवारे युवाओं को मनचाहा जीवन साथी भी प्राप्त होता है।

संत निरंकारी मिशन की 'वननेस वन' परियोजना में बढ़ोतरी जारी

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा -निरंकारी बाबा हरदेव सिंह जी द्वारा कहे गए स्वर्णिम शब्द 'प्रदूषण अंदर हो या बाहर दोनों ही हानिकारक है' इस अमूल्य कथन को निरंकारी मिशन कई वर्षो से विभिन्न सामाजिक धर्मार्थ गतिविधियों में भागीदारी लेने हेतु एक प्रेरक शक्ति के रूप में उपयोग कर रहा है। पर्यावरण संतुलन और प्रदूषण को मिटाने हेतु संत निरंकारी मिशन की वननेस वन परियोजना के तहत लगातार पौधा रोपण अभियान जारी है। मीडिया प्रवक्ता अमित कुमार ने बताया सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के दिव्य आशीर्वाद से समाज कल्याण के भाव से प्रेरित होकर अगस्त 2021 में संत निरंकारी मिशन ने पर्यावरण संरक्षण के उपलक्ष्य पर 'वननेस वन' नामक एक मेगा परियोजना का आरम्भ किया।

इस परियोजना का लक्ष्य 'वृक्षों के समूह' का रोपण करना एवं इनकी देखभाल करना था। इस परियोजना के अंतर्गत संपूर्ण भारतवर्ष के लगभग 317 स्थानों पर 1.30 लाख पौधों का रोपण किया गया। इस परियोजना का दूसरा चरण वर्ष 2022 में भी क्रियान्वित है जिसके अंतर्गत 403 स्थानों पर पौधारोपण की संख्या 1.65 लाख पहुंची। पर्यावरण संरक्षण हेतु जारी इस श्रृंखला के अंतर्गत 'वननेस वन' परियोजना के तीसरे चरण की सेवाएं आरंभ करने जा रहा है। जिसके अंतर्गत संपूर्ण भारतवर्ष के लगभग 500 से भी अधिक स्थानों पर रविवार 13 अगस्त 2023 को प्रातः से ही 'मेगा वृक्षारोपण अभियान' का आयोजन किया ।इस परियोजना के तहत संत निरंकारी मिशन की ब्रांच एटा द्वारा अविनाशी सहाय आर्य विद्यालय में वृक्षारोपण किया गया। संत निरंकारी मिशन की जन कल्याणकारी गतिविधियों में प्रायः मेगा वृक्षारोपण अभियान, रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण परियोजनाएं, पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता अभियान इत्यादि शामिल है। मानवता को समर्पित निरंकारी मिशन की यह सभी सेवाएं सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के निर्देशन में निरंतर क्रमवार रूप में भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा जारी हैं। आज जब पृथ्वी ग्लोबल वॉर्मिंग की समस्या से जूझ रही है, तो ऐसे समय में वृक्षारोपण का महत्व ओर अधिक बढ़ गया है। वर्ष 2020 से कोरोना संकट ने हम सभी को प्रकृति की अमूल्य देन, प्राण वायु अर्थात् ऑक्सीजन का महत्व समझाया। साथ ही इसकी कमी से उत्पन्न होने वाले सभी दुष्प्रभावों से भी हमें भली भांति अवगत करवाया। ज्ञात रहे कि मनुष्य का जीवन जिस प्राण वायु पर आधारित है वह हमें इन वृक्षों से ही प्राप्त होती है। अतः इनका संरक्षण करना न केवल हमारा कर्तव्य है अपितु हमारे जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण है। निःसंदेह निरंकारी मिशन की ऐसी कल्याणकारी योजनाएं 'पर्यावरण संरक्षण' एवं धरती को सुंदर बनाने हेतु एक प्रशंसनीय एवं सराहनीय कदम है जिस पर चलकर धरती को ओर अधिक स्वच्छ, सुंदर एवं निर्मल बनाया जा सकता है।

अमित राज दीक्षित द्वारा भगवान परशुराम जी का पटका पहना कर,कुंवरश्री संतोष जी का स्वागत किया

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा -माननीय श्री बी एल संतोष जी राष्ट्रीय संगठन महामंत्री भाजपा के दिल्ली स्थित आवास पर ब्रह्म समाज एकता समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय,अरुण दीक्षित द्वारा समिति के राष्ट्रीय मुख्य महासचिव कुंवर अमित राज दीक्षित,दिल्ली प्रदे अध्यक्ष बालकिशन शर्मा के साथ एक प्रतिनिधि मंडलके रूप में भेट की गई भेट के समय मुख्य महासचिव अमित राज दीक्षित द्वारा भगवान परशुराम जी का पटका पहना कर,कुंवरश्री संतोष जी का स्वागत किया गया,इसके उपरांत यूपी विधान सभा चुनाव 2022 में समिति द्वारा जो403 विधान सभा क्षेत्रों में बीजेपी के पक्ष में कार्य किया गया ,उसकी बुकलेट मय सूची राष्ट्रीय एवम यूपी कार्यकारिणी, जोन,मंडल,जनपद,शहर,तथा प्रकोष्ठों की कार्यकारिणी के ,प्रदान कीगई,ओर लोकसभा चुनाव 2024 के संबध में तथा विधान सभा चुनाव,मध्य प्रदेश,राजस्थान,छत्तीस गढ़ ,तेलांगना के संबध में विस्तृत चर्चा हुई,श्री संतोष जी ने कहा कि आप के संगठन से लोकसभा चुनाव 2024,एवम 4 प्रदेशों में होने वाले विधान सभा चुनाव में कार्य लेने के संबंध में ,श्री जेपी नड्डा जी से चर्चा कर,ब्रह्म समाज एकता समिति के पदाधिकारियों,को क्षेत्र , वाइज चुनाव प्रचार में लगाने के कहा गया,जिसपर श्री अरूण दीक्षित द्वारा,चारो राज्य के ,पदाधिकारियों की सूची माननीय संतोष जी को प्रदान की गई, तत्पश्चात श्री अरूण दीक्षित द्वारा यूपी विधान सभा चुनाव 2022 के समय 20,12,2021 को जो प्रस्ताव सवर्ण एवम ब्राह्मण समाज के कल्याण के लिए दिए गए थे,जिन में राष्ट्र एवम प्रदेश स्तर पर सवर्ण कल्याण बोर्ड,एवम सवर्ण आयोग का गठन,भगवान परशुराम की जन्म स्थली को पर्यटन स्थल घोषित करने का विधिवत नोटिफिकेशन कराने, जन्मस्थली के नगर जलालाबाद का नाम पर्वर्तित कर परशुराम पुरी एवम जनपद शाहजहांपुर का नाम जमदग्न्य नगर किए जाने और भगवान परशुराम जन्मस्थली जलालाबाद को केंद्र बिंदु मानकर 500 किलोमीटर की घोषित तीर्थ सर्किट में भगवान परशुराम के मुख्य तपोवली स्थल ग्राम परसौन जनपद एटा वाया संकिशा, नवाबगंज,अलीगंज जोड़कर माननीय नितिन गड़करी जी के यहां लंबित प्रस्ताव को अविलंब स्वीकृत कराके कार्य प्रारंभ कराने, ज्योतिष विज्ञान एवम् कर्म काण्ड शास्त्र विषयों को शासन द्वारा संचालित समस्त विश्वविद्यालय एवम इंटर कॉलेजों के कोर्स में शामिल कराने तथा समस्त संस्कृत विद्यालयों के जीर्ण उत्थान कराकर उनमें रिक्त चल रहें पदों को अविलंब भरा जाना मुख्य था,का अवलोकन कर श्री संतोष जी ने आश्वासन दिया कि मैं इन प्रस्तावों पर अविलंब श्री नड्डा जी एवम् केंद्र सरकार में वार्ता कर इनका क्रियान्वयन सुनिश्चित कराऊंगा

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा -अखिल भारतीय भट्ट शक्ति पुंज ट्रस्ट अयोध्या जी की तरफ से बहुत ही सम्मानित एंव ऊर्जा वान कर्मठ एटा जनपद के निवासी पत्रकार एवं एडवोकेट श्री निशा कान्त शर्मा जी को अखिल भारतीय भट्ट शक्ति पुंज ट्रस्ट अयोध्या जी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। आपके आने व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत होने से ट्रस्ट परिवार अयोध्या जी को बहुत बल मिलेगा और ट्रस्ट परिवार मजबूत होने के साथ इसे अपने लक्ष्य और उद्देश्य की पूर्ति होने की दिशा में भी सहयोग मिलेगा।आपके ट्रस्ट परिवार अयोध्या जी में आने और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत होने पर आपको बहुत बहुत बधाई एवं मंगल साथ ही इस परिवार में बहुत बहुत स्वागत व अभिनन्दन

छोटे भाई ने बड़े भाई को मारा पत्थर, मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -निशाकांत शर्मा

एटा -शराब के नशे में घर के बाहर गाली-गलौज कर रहे छोटे भाई को बड़े भाई मना किया। इसी बात को लेकर गुस्से में आएं छोटे भाई ने बड़े भाई के पत्थर मार दिया। पत्थर लगने से भाई गंभीर घायल हो गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। थाना मलावन के गांव थरौली निवासी संतोष (60) पुत्र सियाराम के गुरूवार रात को घर के बाहर बैठे हुए थे। आरोप है कि छोटे भाई धर्मेन्द्र आया। बेटा अरविंद के अनुसार धर्मेन्द्र शराब के नशे में था और घर के बाहर गाली-गलौज कर रहा था। पिता संतोष ने मना किया। आरोप है कि चाचा ने सड़क से पत्थर उठाकर पिता संतोष पर हमला कर दिया। पेट में पत्थर लगने से वह गंभीर घायल हो गए। सकीट स्वास्थ्य केन्द्र से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इलाज के दौरान शनिवार दोपहर को मौत हो गई।

पेरेंट्स मीटिंग में बिजली पानी की समस्या को लेकर मचा हंगामा, अभिभावकों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से की शिकायत

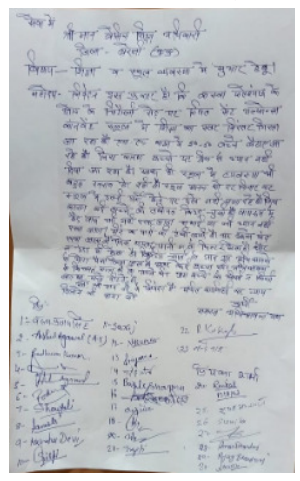

क्यूँ न लिखूँ सच

जनपद बरेली फतेहगंज पश्चिमी कस्बे के पास चिटौली रोड पर स्थित सेंट अल्फोंसा कन्वेंट स्कूल में आज पेरेंट्स मीटिंग में सभी छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने बिजली, पानी, और गंदगी की समस्या को लेकर हंगामा काटा। और स्कूल की लिखित शिकायत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से की। बच्चों के (अभिभावक) माता-पिता वरुण प्रताप सिंह, जयंती सिंह, संजय चौहान, अंशुल अग्रवाल, सरोज चौहान, शैफाली ठाकुर, जयप्रकाश पाठक, विपिन सिंह, आदि छात्र-छात्राओं के अभिभावकों का कहना है कि इस मौसम में वेहताशा गर्मी पड़ रही है। उसके बावजूद एक (कमरे) क्लासरूम में लगभग 40-50 बच्चे बैठा दिए जाते हैं उसके बावजूद गर्मी के इस मौसम में स्कूल में लगे पंखे को नहीं चलाया जाता है। जिससे जनरेटर के तेल की बचत हो सके। जिस कारण अब तक कई बच्चों की तबीयत खराब हो चुकी है। कोई बच्चा बाथरूम के लिए जाए तो वहां वेहताशा गंदगी बदबू के कारण बच्चों को बाथरूम करना मुश्किल हो जाता है। और सबसे बड़ी बात यह है कि वह बाथरूम करने के बाद हैंड वॉश के लिए साबुन भी नहीं है। गर्मी के इस मौसम में अधिकतर बच्चों को ज्यादा प्यास लगती है तो मैडम पानी पीने भी नहीं जाने देती अगर जाने की इजाजत दे दी जाए तो टैंक में भरा या वहां लगी टंकी से गर्म पानी पीने को मिलता है। स्कूल में छात्र-छात्राओं की सुविधाओं एवं वेल्डिंग चार्ज के नाम पर अभिभावकों से मोटा पैसा वसूला जाता है। अगर कोई बच्चा अपने घर पर अपने माता-पिता से इन समस्याओं के बारे में जिक्र या शिकायत करता है तो अभिभावक स्कूल में आकर शिकायत करते हैं तो स्कूल टीचर उन बच्चों को ऐसे सब्जेक्ट पढ़ने और लिखने को देते हैं जो उन्हें कभी पढ़ाएं ही नहीं गए। और स्कूल शिक्षक उन बच्चों से कहते हैं अपने मम्मी पापा से शिकायत तो बहुत करते हो तुम्हें पढ़ना लिखना तो आता नहीं है। इसी का बहाना बनाकर बिना वजह बच्चों को टीचर टॉर्चर कर बिना वजह मारपीट करते है। बच्चों के अभिभावक वरुण प्रताप सिंह, अंशुल अग्रवाल, जयंती सिंह, संजय चौहान, शैफाली ठाकुर, विपिन सिंह, जय प्रकाश पाठक, श्याम बिहारी उपाध्याय, अखिलेश, सुनीता पांडे, अरविंद उपाध्याय, मुनेश कुमार, सरोज चौहान, प्रियंका शर्मा आदि अभिभावकों का कहना है कि अगर हमारे बच्चे पढ़ने लिखने में कमजोर है या घर से होमवर्क करके नहीं लाते हैं तो टीचर को उन्हें डांटने फटकारने का अधिकार है। मगर हमारे बच्चों को बिना वजह टॉर्चर किया जाएगा तो हम शांत नहीं बैठेंगे अपने बच्चों की सुख सुविधाओं के लिए रुपए देने के लिए तैयार हैं अगर हमारे बच्चों को सुख सुविधाएं नहीं मिली तो हम शांत नहीं बैठेंगे। हम इसकी शिकायत शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं माननीय मुख्यमंत्री से करेंगे।

देश की हर महिला के हक और हिस्सेदारी को सुनश्चित कराने के लिए हम प्रतिबद्ध है- ठाकुर अनिल सोलंकी

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा - प्रेस वार्ता के दौरान युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव आनंद बघेल ने कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा कांग्रेस बी पी श्रीनिवस जी और युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ओमबीर यादव जी के निर्देशानुसार की भारतीय युवा कांग्रेस ने देश भर में महिला सशक्तिकरण के लिए युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन बेंगलुरु में "Super Shakti SHE" कार्यक्रम की शुरुवात की थी। यह कार्यक्रम भारतीय युवा कांग्रेस के मुख्य कार्यक्रमों में से एक है। इस कार्यक्रम के तहत स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर हर प्रदेश स्तर पर, जिला स्तर पर और विधानसभा स्तर पर महिला सशक्तिकरण की झलकियां दिखाई पड़ेगी, हर स्तर पर महिलाएं युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेके अपने हक और हिस्सेदारी के लिए ध्वजारोहण करेंगी। "Shakti Super SHE" कार्यक्रम के तहत भारतीय युवा कांग्रेस देश भर में प्रदेश स्तर पर, जिला स्तर पर और विधानसभा स्तर पर स्द्धड्डद्मह्लद्ध क्लब के जरिए महिलाओं को जोड़ने का प्रयास करेगी और इस क्लब के माध्यम से यह सुनिश्चित करेगी

Air pollution can make you disabled, there is also a risk of premature death, researchers warned

Air pollution is a major health risk to health, the threat of which is increasing rapidly at the global level. Many studies have been alerting about the risks of air pollution. Researchers say, apart from developing lung-related problems due to air pollution, it has been found to be harmful to the body in many other ways. In a recent report, health experts said that the way air pollution exposure is seen on a global scale, it has increased the risks of disability and premature death due to cardiovascular diseases in a large number of people. . Analysis of the Global Burden of Disease study has shown that air pollution is seen to increase the risk of heart disease and its related serious diseases. Health experts say everyone needs to be aware of the risks of air pollution, which can lead to serious health problems and is a global threat. What do health experts say?- Farshad Farzadfar, Head of Non-Communicable Diseases at Tehran University of Medical Sciences in Iran, says, worldwide disability cases from 1990 to 2019 due to rapid increase in air pollution and PM (Particulate Matter) 2.5 levels has increased. We have focused on this growing burden globally. Particulate matter pollution is a widespread environmental risk factor affecting all populations around the world. Along with its effect on lungs, heart and mental health, it is understood in this study that increased levels of pollution are also increasing the risks of disability in people. Premature death due to air pollution- Researchers pointed out, there is also a relative decrease in life expectancy due to increasing level of PM 2.5. Despite a 36.7% decrease in the age-standardised death rate, there has been an increase in deaths across all ages. The research, published in the Journal of the American Heart Association, analyzed particulate matter (PM) pollution as a risk factor for death and disability using data from 204 countries collected between 1990 and 2019. Air pollution is causing diseases in people that may increase the risk of premature death. Dangerous elements going into the body - PM 2.5 pollution consists of small particles of liquid and solid substances in the air that go into the lungs through breath. This type of risk is more due to vehicular emissions, smoke, dust, pollen etc. The analysis found that there has been an increase in cardiovascular diseases caused by PM, air pollution. In addition, the increasing level of particulate matter pollution can be dangerous for overall health, all people need to be protected from its risks.

Keeping these things in mind, you can make your destination wedding memorable.

Destination Wedding Tips Wedding is a memorable moment, which is planned by both the bride and groom months in advance. Nowadays the craze of destination wedding is being seen a lot in couples, so if you are also planning a destination wedding, then follow these tips

which are very helpful to make it wonderful and memorable. The wedding season has started. Nowadays, people do not know what planning is done to make the marriage memorable, out of which destination wedding is becoming the most popular. Wedding in a grand way among your close relatives and friends, by going to a favorite destination, but this moment should not become memorable among the guests in any other way, meaning that there should be no shortage in the preparations, for this, keep some special things. There will be meditation. It is necessary to confirm which relatives and friends are coming for the destination wedding. So that there is no problem of any kind due to someone not coming or extra coming later. In which function of the wedding, what are you going to wear, prepare all these in advance. There is also a plan for a pre-wedding shoot in the destination wedding, so make preparations for that too. If you are planning a wedding outside India, then select the menu carefully. In the process of showing Hi-Fi, do not choose such dishes, which the guest should not eat. If you want to give some return gift to the guest in destination wedding, then plan it in advance. Find out about the weather of the place where you are planning the wedding, so that all the planning can be done accordingly. - Check your budget before choosing the location, vendors, decorations. If you know about the budget then it will be easy to manage things. To make the wedding memorable, you can plan some fun activities in which the guests can have fun along with the bride and groom. For this you can take the help of wedding planners or hotels. So by taking care of these things, you can make this special moment of yours fun.

This Independence Day, show patriotism with your mehndi, see beautiful designs here

Our India has a different identity in foreign countries because of its diversity. Here the festivals of every religion are celebrated together with pomp. In our country, it is a custom to apply henna on every festival. It is believed that applying henna increases the auspiciousness of

to celebrate have henna

People year we are

are different on your the mehndi on your hands. Make a fluttering tricolor on your hands This Independence

Day, you can make a fluttering tricolor in your hands like this. Apart from this, you can also show the unity of the country in your hands. This is a very different design. Picture of Bharat Mata – If you are thinking of applying some different henna, then make a map of India on your hands like this. The picture of Bharat Mata will look very beautiful inside it. Photo of martyr heroes- If you want to apply mehndi in the celebration of independence, then you can get pictures of revolutionary heroes made in your hands like this. Make it inside the map of India. Picture of India Gate- Who would not have seen the picture of India Gate located in Delhi. In such a situation, if you wish, you can make a photo of the tricolor waving at the India Gate in your hands.

every festival. In such a situation, when we are going India's biggest festival i.e. Independence, then why not on our hands. In fact, on August 15, every Indian is wholeheartedly painted in the colors of patriotism. celebrate Independence Day in their own ways. This going to celebrate our 77th Independence Day. Preparations for this have also been completed. If you thinking of celebrating Independence Day in a way this year, then you can apply some special mehndi hands. Today in this article we are going to show you designs for Independence Day, which you can apply

Sunny Deol expressed happiness over the success of 'Gadar 2', said - We never knew...

Sunny Deol has expressed happiness over the success of 'Gadar 2'. In an interview, he said that I did not know that this film would be liked by the audience so much. Bollywood actor Sunny Deol's film 'Gadar 2' has been released in theaters on August 11. Even after 22 years, the same craze is being seen in the hearts of the fans for Tara Singh. On the opening day, the

film has made a grand collection of Rs 40 crores. At the same time, on the second day also the film has done a business of 43 crores at the ticket window, with which the total collection of the film has become 83 crores. Ameesha Patel and actor Utkarsh Sharma are also seen in important roles in this film directed by Anil Sharma. Whereas, Simrat Kaur is making her Bollywood debut with this film. Sunny Deol spoke on the success of 'Gadar 2' - Recently Sunny Deol has talked about the success of 'Gadar 2' in an interview given to a media organization. He said, "I am really happy, when we made the Gadar sequel, we never thought it would get so much love. Two whole generations have passed since we did the first Gadar and even now, people are equally excited Like the first time. I am surprised and very happy. We need some hit films to keep the film industry alive." The actor then talked about his age, saying, "I don't know, I don't think about how old I am. I never did it. I have always done my work with utmost hard work and dedication, irrespective of my age." Let the viewers know that Tara Singh-Sakina Jodi, produced by Zee Studios, Anil Sharma Productions and MM Movies, in 'Gadar 2' Apart from Sunny Deol, Ameesha Patel and Utkarsh Sharma, stars like Manish Wadhwa, Gaurav Chopra, Luv Sinha, Simrat Kaur, Mir Sarwar, Rohit Choudhary, Rakesh Bedi are in lead roles.The songs of 'Gadar 2' are penned by Mithun. Its music is given by Monty Sharma.The first part of the film was a huge success among the Indian audience and now 'Gadar 2' is also being liked by the moviegoers.

Ankita Lokhande fulfilled the duty of son, gave shoulder to father, actress wept bitterly

Ankita Lokhande Father Death TV actress Ankita Lokhande's father Shashikant Lokhande has passed away at the age of 68. Today is the funeral of the father of the actress. In her father's last darshan, the actress appeared as her mother's courage. TV celebs including Shraddha Arya were also seen at Ankita Lokhande's father's funeral. Ankita Lokhande's father passes away - Ankita breaks down at her father's funeral - Ankita Lokhande gives shoulder to father Television actress Ankita Lokhande is in grief. Recently, the father's shadow

rose from the head of the actress. His father Shashikant Lokhande's father had passed away on the previous day. Today is her father's funeral. Ankita was seen handling her mother at her father's funeral - Ankita Lokhande's father's funeral is in Oshiwara. Ankita Lokhande, who reached her father's funeral, was seen tying up her mother's courage in pain. Ankita and her mother are badly broken by the death of their father. Videos have also surfaced on social media, in which Ankita is seen being handled by her husband Vicky Jain. Ankita Lokhande fulfilled her son's duty - Some more videos have also surfaced, in which Ankita Lokhande is seen crying bitterly. In this sad hour, Ankita's biggest supporter became her husband Vicky Jain, who is seen consoling her. Ankita Lokhande also fulfilled the duty of her son in her father's funeral. She was seen shouldering her father's bier. Many television stars attended Ankita Lokhande's father's funeral. Many stars including Shraddha Arya bid farewell to their father with moist eyes. How Ankita Lokhande's father passed away?- How Ankita Lokhande's father passed away, it is not yet clear. Ankita's father breathed his last on the morning of 12 August. He was ill for a long time. Some time ago he was also admitted to the hospital. The actress shared a video on social media congratulating her father on Father's Day. In the clip, Ankita was seen showering love on her father by giving him flowers in the hospital. During this, the actress also wrote an emotional note and told that her father supported her at every step.

Sameera Reddy's pain spills over, 'whom she considered friends had also ignored'

Actress Sameera Reddy is currently away from the film world. But, at one point of time, he earned a good name in the industry. Later he took a break from the film world. Although, after the break, the actress tried to make a comeback again, but during this time many challenges came in front of her. Even the behavior of those whom the actress considered as her friends in the industry has completely changed. Sameera's grief has come to the fore recently on this matter. Sameera Reddy told that she made her debut on social media. She has already come on this platform very late. After this he came here and asked his old friends from the industry for a shoutout, but everyone ignored them. Sameera Reddy was shocked to see this. Explain that shoutout is a term on social media, in which people ask influential people or their own counterparts to mention about their business or things on social media. In Shoutout, influencers feature other people's content in their Insta story or post and discuss it among their followers. Sameera Reddy was once a popular actress in the industry. After the break, Sameera knocked on social media, not in the film world. Crores of followers joined him here. In a recent interview, Sameera revealed that when she asked her friends for a shoutout on this platform, she completely ignored the actress. Sameera also mentioned that she had to go through a lot of challenges to return to the platform and stay connected with her fans. Sameera said, 'I am already very late on Instagram. I was a bit uncomfortable here. I asked some acquaintances for help and shoutouts, but no one reached out. These people used to be my friends when I was at the top of the industry.

Let us tell you that Sameera Reddy made her debut in the year 2002 with the romantic action film 'Maine Dil Tujhko Diya'. In this film she appeared with Sanjay Dutt and Sohail Khan. Talking about personal life, Sameera married Akshay Varde in the year 2014.